

प्रार्थी का प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया गया अर्थात् को जरिये सम्मन लंब किया गया। अर्थात् संख्या 1 की श्री मदनगोपाल शर्मा ने वकालतनाम व डेकलारिया जवाब पेश किया

दिनांक 15/03/19 को गई पैमाइश अनुसार पत्न्यादी किये जाने के आदेश फरमावे।  
है प्रार्थना पत्र पेश किया है। प्रार्थना पत्र के अन्त में निवेदन किया कि प्रार्थी खातेदारी भूमि की  
की संख्या है प्रार्थी उक्त पैमाइश अनुसार अपनी हद में पत्न्यादी कयाना चाहता है। जिसका  
नह से प्रार्थी द्वारा की गई काबल को आगारा पेशुओं द्वारा नष्ट किया जा रहा है अतः फसल  
माइश अनुसार खूटे रोपने नहीं दूंगा। प्रार्थी उक्त भूमि के चारों ओर तारबंदी नहीं होने की  
खातेदार अर्थात् संख्या 1 ने पैमाइश अनुसार खूटे रोपने से मना कर दिया और धमकी दी की से  
अनुसार अपनी भूमि के चारों ओर खूटे रोपने लगे तो खसरा नंबर 16/20 रकबा 12.00 के  
नाकर प्रार्थी की उपस्थिति में करवाई है। तथा मौका फट तैयार की गई प्रार्थी जब पैमाइश  
अपनी उक्त खातेदारी भूमि की पैमाइश पटवारी हल्का से दिनांक 15/03/2019 को मौके पर  
है। उक्त रजवासीय हागी में प्रार्थी अपने परिवार सहित बार ही मास निवास करते हैं। प्रार्थी ने  
ने अपने हिस्से की भूमि पर रजवासीय हागी, पानी का टांक, पेशुओं का बाड़ा इत्यादि बना रखे  
अपने हिस्से पर कब्जा व काबल आज दिन तक लगातार शांतिपूर्वक चला आ रहा है और प्रार्थी  
प्रतिदिन संलग्न प्रार्थना-पत्र पेश है। उक्त भूमि पर प्रार्थी का राजस्व रेकॉर्ड जमाबंदी अनुसार  
नयानाव पटवार क्षेत्र बहीसिंह तहसील बाप में स्थित है। जमाबंदी संवत् 2070-2073 प्रमाणित  
की खातेदारी अधिकारों की कृपे भूमि खसरा नंबर 16/19 रकबा 43.14 बीघा मौजा सरहद  
प्रार्थी ने एक प्रार्थना पत्र पेश किया है जिसके संक्षिप्त में तथ्य निम्न प्रकार हैं कि प्रार्थी

दिनांक :- 19.11.2019

निर्णय

1. श्री राजेश्वर सिंह सांलकी अधिवक्ता प्रार्थी की ओर से
2. श्री मदनगोपाल शर्मा अर्थात् संख्या 1 की ओर से
3. अर्थात् संख्या 2 पेशकार सरकार

राजस्व प्रार्थना पत्र संख्या :- 126/2019

प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 111, 128 राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम

1. प्रसूदान पुत्र शम्भूदान जाति बारा  
निवासी बहीसिंह तहसील बाप  
जिला जोधपुर
- 2 तहसीलदार बाप  
जिला जोधपुर
1. मगाराम पुत्र मोतीराम  
जाति सुथार निवासी नयानाव

प्रार्थी बतना अर्थात्

बहुजलाला पीठासीन अधिकारी श्री महावीर सिंह (आ.ए.एस.)

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी बाप, जिला जोधपुर

(महोदय) श्री  
 उपायुक्त अखिकारी  
 (महोदय) श्री  
 15/03/2019

निर्णय आज दिनांक 19.11.2019 खर्च न्यायालय में सुनाया गया।

प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र स्वीकार किया जाता है कि नयागांव पटवार क्षेत्र बर्डसिड तहसील बाप जिला जोधपुर के खेत खसरा नम्बर 16/19 रकबा 43.14 बीघा भूमि का सीमाजान पडौसी खातेदारों को सूचित करते हुए मौका फट्टे दिनांक 15/03/19 अनुसार पत्थरगाड़ी किये जाने के आदेश दिये जाते हैं। प्रार्थी द्वारा नियमानुसार ब्यूल्क अदा किये जाने पर तहसीलदार बाप उक्त आदेश की पालना में विधिवत पत्थरगाड़ी करवावे। अगर आवश्यकता हो तो शान्ति व्यवस्था बनाये रखने हेतु पुलिस इमदाद प्राप्त की जावे। पत्रावली फंसल सुमार होकर, नम्बर से कम हो, दायित्व दफतर हो।

**आदेश**

प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार योग्य होने से स्वीकार किया जाता है। अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार योग्य होने से स्वीकार में पत्थरगाड़ी करवाने की अधिकांश है। अतः प्रार्थी को प्रार्थना पत्र स्वीकार योग्य होने से स्वीकार प्रत्येक गड्डी किये जाने की सहमति जाहिर की है। इसलिये प्रार्थी खातेदारी भूमि की अपनी हद जानें में किस्ती प्रकार का ऐतराज जाहिर नहीं किया है। सरकारी प्रोकार ने भी उक्त भूमि की है, अपाथी संख्या 1 ने अपने इकबालिया जवाब में प्रार्थी को इस्तदुआ अनुसार पत्थरगाड़ी किये है, रेकडूड खातेदार को अपनी खातेदारी की भूमि की पत्थरगाड़ी करवाने का पूरा-पूरा अधिकार तहसील बाप जिला जोधपुर के खसरा नम्बर 16/19 रकबा 43.14 बीघा भूमि का प्रार्थी खातेदार पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेज का अवलोकन किया गया। याम नयागांव पटवार क्षेत्र बर्डसिड वकालत पक्षकाराने की बहस सुनी गई बहस पर मनन किया गया। बहस पर मनन एवं खातेदारों की उपस्थिति में पत्थरगाड़ी किया जाना उचित है।

अपाथी प्रोकार सरकार ने भी उपस्थित हो कर बताया की प्रार्थी एवं अपाथी पडौसी दिनांक 15/03/2019 को की गई पैमाइश अनुसार पत्थरगाड़ी किये जाने का निवेदन किया। प्रार्थी बर्डसिड खातेदार काबलकार काबल है। प्रार्थी की उक्त भूमि का पटवारी हल्का द्वारा नयागांव पटवार क्षेत्र बर्डसिड तहसील बाप जिला जोधपुर में स्थित है। उक्त खसरा की भूमि पर प्रार्थी की खातेदारी अधिकांश की केष भूमि खसरा नम्बर 16/19 रकबा 43.14 बीघा मौजा अधिवक्ता प्रार्थी ने अपनी बहस में प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुवे बताया कि प्रकार का उजर एवं ऐतराज नहीं है। पत्रावली बहस में रखी गई।

